अब्राहम, विश्वासियों का पिता

जो बच्चों को सिखाते हैं उन्हें अध्ययन F1b पढ़ना चाहिये

प्रार्थनाः "प्रिय स्वर्ग के पिता कृपया इस अध्ययन को मेरे झुण्ड को विश्वास में बढ़ने के लिये प्रयोग कर जैसे अब्राहम ने किया जिससे वे आपका वचन सुने और करें और केवल सुनने वाले ना हो। हमें जिन चीज़ों पर हम विश्वास करते उसे पालन करने में सहायता कर। यीशु के नाम में, "आमीन"।

1. **अपने हृदय और दिमाग को प्रार्थना और वचन के साथ तैयार कर।**

याकूब 1:22 को **कंठस्थ करें।**

अब्राहम से सीखें

- देखें कि पौलुस ने कहा कि अब्राहम हमारे विश्वास का उदाहरण है गलतियों 3:6-9 अब्राहम की वे निर्णयताएं थी जो हमारी हैं और उसने गलतियां की फिर भी जब परमेश्वर ने उसकी सन्तान को कई गुणा बढ़ाने की प्रतिज्ञा की जैसे आकाश के तारे। उसने परमेश्वर पर विश्वास किया। परमेश्वर ने उसका विश्वास देखा और उसे धर्मी घोषित किया, उत्पति 15:1-61 आइये हम भी परमेश्वर की प्रतिज्ञाओं पर विश्वास करें उन हजारों अविश्वासियों को अब्राहम के आत्मिक पुत्र (सन्तान) बनने में सहायता करें जैसा उसने विश्वास करके किया।

उत्पति में खोजें....

- 12:2-3 में परमेश्वर ने अब्राहम से क्या प्रतिज्ञा की (इससे पहले कि उसका नाम बदल दिया गया, 17:5)
- 15:1-6 में अब्राहम ने क्या विश्वास किया जो परमेश्वर (ने उसकी धार्मिकता गिना।)
- 15:7-21 में किस प्रकार परमेश्वर ने अब्राहम के साथ की प्रतिज्ञा की पुष्टि की क्या यह केवल अब्राहम का बलिदान और प्रयास पक्षियों को दूर रखने का था (उत्तर: सब परमेश्वर के नियंत्रण में था)
- 16:1-16 में परमेश्वर की प्रतिज्ञा की पूर्ती में अब्राहम के अपने प्रयास।
- 18:1 से 19:29 में किस प्रकार अब्राहम के विश्वास ने लूत और उसकी बेटियों को बचाया।
- 22:1-18 में परमेश्वर ने किस प्रकार अब्राहम के विश्वास की परीक्षा की और परमेश्वर ने क्या प्रतिज्ञा की (सब विश्वासियों को) इसलिये कि अब्राहम ने परमेश्वर पर विश्वास किया।

परमेश्वर ने कैसे हम तक विश्वास लाया? थोड़ा समय लेकर देखें कि आपका अपना विश्वास कहाँ से आया। मित्रों की गवाही से? वचन से? स्वप्न या दर्शन से? पवित्र आत्मा की खामोश आश्वासन से? प्रार्थना के द्वारा? यीशु के नाम में आश्चर्यमय चंगाई द्वारा?

2. सप्ताह के बीच करने वाली गतिविधियों की योजना अपने सह कर्मियों के साथ बनायें।

यदि कोई विश्वासी कमज़ोर विश्वास में संघर्ष कर रहा है, तो जाओ उनसे भेंट करो, और उन्हें अब्राहम के बारे में बताओं, और आपकी अपनी गवाही कि क्यों आप विश्वास करते हैं।

परमेश्वर के दिये हुए विश्वास को जरूरत मन्द पड़ोसी की व्यवहारिक रूप से सेवा को प्रदर्शित करें।

जो कमजोर विश्वास में संघर्ष कर रहे हैं उनके साथ प्रार्थना करें।

भाग 3 के अन्तर्गत आप उनके घरों में अराधना कीगतिविधियों द्वारा उन्हें प्रोत्साहित कर सकते हैं।

3. आने वाली अराधना की योजना अपने सहकर्मियों के साथ बनायें।

ऐसी गतिविधियों का चुनाव करें जो विश्वासियों की आवश्यकताओं और स्थानीय रीति रिवाज में सटीक बैठती हों।

अब्राहम की कहानी बतायें या उसका नाटक करें।

इन सत्यों का वर्णन करें:

- परमेश्वर ने अब्राहम को बताया कि अपने सब रिश्तेदारों को छोड़कर एक परदेसी स्थान पर चला जा। विश्वास के द्वारा उसने आज्ञापालन किया। उसने अपनी पत्नि और सेवकों को लिया और सैकड़ों मील की यात्रा की।
- उस भूमि (देश) में फिर बोला और अब्राहम की बड़ी सन्तान की 9 की। अब्राहम ने परमेश्वर की प्रतिज्ञा पर विश्वास किया, और इस विश्वास को परमेश्वर ने धर्मिकता गिना।
- परमेश्वर ने प्रतिज्ञा किया था कि वो अब्राहम के एक सन्तान से सारी पृथ्वी को आशिष देगा।
- अब्राहम को नहीं मालूम था कि ये प्रतिज्ञाएं किस प्रकार पूरी होंगी, क्योंकि उसका उत्तराधिकारी होने के लिये कोई बच्चा नहीं था।
- तब परमेश्वर ने अब्राहम को एक बलिदान तैयार करने को कहा। मानव के साथ वाचा स्थापित करने के लिये परमेश्वर हमेशा बलिदान चाहता था। यीशु ने कहा, प्रभु भोज उसके लहू में हमारे लिये वाचा है।
- अब्राहम ने पक्षियों को दूर रखने का प्रयास किया पर वह थक गया और गहरी नींद में सो गया। उसने परमेश्वर का दर्शन देखा कि जबकि उसने कुछ भी नहीं किया परमेश्वर को बलिदान के बीच चलते हुए देखा।
- अब्राहम अभी भी नहीं समझा कि ये केवल परमेश्वर उसकी प्रतिज्ञा को पूरी करेगा।
- बाद में अब्राहम की पत्नी सारा ने सुझाव दिया कि उसकी लौंडी हाजरा से उसके लिये सन्तान (वारिस) पैदा हो सकता है।
- अब्राहम के मूर्खतापूर्ण प्रयास ने बहुत कठिनाई उत्पन्न कर दी। हाजरा की एक सन्तान ने बाद में इस्लाम का निर्माण किया।
- 100 वर्ष की उम्र में अब्राहम ने एक पुत्र के रूप में प्रतिज्ञा को पूरी होते देखा जब सारा ने इसहाक को जन्म दिया। ये अब्राहम का बलिदान नहीं था या वह प्रयास जिससे प्रतिज्ञा पूरी हुई, पर वह केवल परमेश्वर की सामर्थ द्वारा हुआ।
- **नोट करें:** यदि विश्वासी लोग मुस्लिमों के किनारे रहते हैं तब वर्णन करें कि अब्राहम के दो बेटे थे। पहला पुत्र अब्राहम की सारा की लौडी हाजरा से पैदा हुआ। उसका नाम इस्माइल था, जो अरबों का पूर्व पिता हुआ। इस्माइल वह वारिस नहीं था जिससे परमेश्वर ने अब्राहम को उसकी पत्नी के द्वारा देने की प्रतिज्ञा की थी।

- अब्राहम का दूसरा पुत्र उसकी पत्नि सारा से उत्पन्न हुआ। उसका नाम इसहाक था, जो यहूदियों का पूर्वज बना। परमेश्वर ने अब्राहम पर ये प्रगट किया कि परमेश्वर की प्रतिज्ञाएं संसार में इसहाक और यहूदियों के द्वारा आशीष लायेंगी।
- जब यीशु पैदा हुआ, वह एक यहूदी था, इसहाक की सन्तान इस प्रकार अब्राहम से जो प्रतिज्ञाएं की गई उन सभों के लिये आशीष लाती हैं जो यीशु पर विश्वास लाते हैं।

मुसलमानो को भी यीशु पर विश्वास करने की आवश्यकता है।

जो बच्चों ने तैयार किया है उसे प्रस्तुत करने दें।

गवाहियों के लिये पूछें।

- नये विश्वासियों के जीवन को परमेश्वर की सामर्थ ने कैसे बदल दिया?
- परमेश्वर ने कैसे प्रार्थनाओं का उत्तर दिया अपनी प्रतिज्ञाएं पूरी की।

प्रभु भोज का परिचय देने के लिये, उत्पत्ति 15 से संक्षेप में याद करें कि अब्राहम का बलिदान और किस प्रकार परमेश्वर ने अपनी उपस्थिति दिखाई। समझायें कि परमेश्वर अपनी प्रतिज्ञाओं की पुष्टि बलिदान के द्वारा करता है। अब्राहम ने बलिदान के मांस पक्षियों को भगाया। यीशु के दृष्टान्तों में पक्षी शैतान के प्रतिनिधि के प्रभाव को दिखाते हैं। बलिदान परमेश्वर के लिये बहुत महत्वपूर्ण हैं। हम उनका आदर करते हैं कि परमेश्वर को सम्मान दें। प्रभु भोज खाने के पहले हम अपने पापों का अंगीकार करते हैं, शैतान के पक्षियों को खदेड़ सकें जब हम मसीह की देह में हिस्सा लेते हैं।

कविता: "विश्वास के शत्रु" (यदि आप इसका अनुवाद करते हैं तो आपको तुकबन्दी करने की आवश्यकता नहीं)

भूखा सर्प (विशाल काय) चिल्लाना पसन्द करता है।
    ''बहुत से लोग नरक आने की इच्छा रखतें हैं।''
वह नरक की दशा को साधारण देखना चाहता है
    कैसे कुछ मनुष्य दुष्ट होना चाहते हैं।
करता घृणा सत्य से पर अंगीकार करता है
    ना केवल मनुष्य हमारी आधी बुद्धि से करता है
क्या सभी धोखे में हमारे मूर्ख बन गये
    जब तक उन्हें झूठ खा ना लें!"

दो या तीन के छोटे झुण्ड से एक दूसरे को समझायें और प्रार्थना करें।

इफसियों 2:8-10 **कंठस्त करें।**